वनों एवम् वन्य प्राणियों का संरक्षण
(Conservation of forests & wild life) ⇒

वन एवम् वन्य प्राणी किसी देश की अमूल्य सम्पति है जिनका वातावरण संतुलन एवम् आर्थिक विकास से गहरा संबंध है। वनों के संरक्षण हेतु अब सभी देशों में अधिनियम बनाकर वृक्षों के काटने पर रोक लगाई है। वृक्षों को रोगों और कीड़ों से रोकथाम करने के लिए उन पर कीटाणुनाशक औषधियों को छिड़का जाता है जिससे हमारा पर्यावरण स्वच्छ रह सकेगा। अब विश्व के प्रायः सभी देशों की सरकारें वृक्षों के संरक्षण की ओर पर्याप्त ध्यान देने लगी है। केवल वयस्क वृक्षों (mature trees) को ही काटा जाता है। छोटे और मध्यम आयु वाले वृक्षों को पूरा होने तक बढ़ने दिया जाता है। विश्व के

Scanned with CamScanner

लगभग 100 से ऊपर देशों में वर्ष के किसी-न-किसी दिन अथवा सप्ताह में वृक्षारोपण उत्सव (Van mahotsava) मनाया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, फिलिपींस और कंबोडिया में इस दिन को (Arbor day), जापान में - Green week), इजराइल में - New years and days of trees), आइसलैंड में Student Afforestation day तथा मिस्र में - Van mahotsava कहते हैं।

वन्य जीवों का संरक्षण ⇒ वनों की भाँति वन में पाए जाने वाले विविध वन्य प्राणियों की सुरक्षा भी समान रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि वनों में पारिस्थितिकी संतुलन शाकाहारी एवम् मांसाहारी जीवों के मिलने से रहता है। वन्य प्राणियों से खाल-बाल, हाथी व गैंडा के दाँत, मोंस, खुर, चमड़ा व अन्य बहुमूल्य वस्तुएँ हमारे पर्यावरण से उपलब्ध हो जाते हैं। बिना वन प्राणियों के वन सम्पदा अधूरी है। इसी कारण विश्व के अधिकांश भागों के राष्ट्रीय पार्कों एवम् अभ्यारणों (National parks and Game Sanctuaries) में वृक्षों का काटना एवम् वन्य पशुओं को मारना दोनों पर ही समान रूप से रोक लगाई गई है। इसके साथ ही नष्ट होती हुई जीवों की जातियों को भी तेजी से सुरक्षा दी जानी चाहिए अन्यथा इसका बहुत बुरा प्रभाव हमारी सांस्कृतिक धरोहर एवम् जीवों के विकास क्रम पर

पड़ेगा। सौभाग्यवश अब इस ओर विशेष चेतना भी जाग्रत होने लगी है। प्रत्येक देश में राष्ट्रीय पक्षी के साथ-साथ अब वनों में शिकार मात्र इतिहास की बात बन गई है।

Scanned with CamScanner